

25.2.22

कोई आश्चर्य नहीं। साथलाक एवं  
नौ साथलाक का व उनके आधिकारिक का  
वर्ष भर आवाज लगाई जाई। कोई हाफिर  
जवाब नहीं आया। मूल वाड की  
आरम हाफिरी व आरम पेंची के खारिफ हो  
सुका है। अतः शवा वाड की दोशानकी के  
जावन का 212 RGA की आरम हाफिरी व  
आरम पेंची में खारिफ दिया जाता है। अतः  
किसलशुभ लोका साथलाक मूल वाड रहे।

अध्यापक अधिकारी  
धौलपुर (राज.)